राज्य स्वास्थ्य समिति, बिहार

An ISO 9001:2008 Certified Agency

स्वास्थ्य विभाग, बिहार सरकार

स्वाईन फ्लू

स्वाईन फ्लू एक संक्रामक बीमारी है। इसका लक्षण आमतौर पर सामान्य फ्लू जैसा ही होता है। इसका वायरस वायु के माध्यम से संक्रमित मरीज से दूसरे व्यक्ति में प्रवेश करता है और उसे संक्रमित करता है।

सभी बुखार स्वाइन फ्लू नहीं होता है, अतः ससमय चिकित्सक से परामर्श कर इसकी सही पहचान कर इलाज करायें।

स्वाइन फ्लू के लक्षणः

तेज बुखार या बढ़ा तापमान (38°C/100.4°F से अधिक), अत्यधिक थकान, सर या बदन दर्द, सांस लेने में तकलीफ, बंद या बहती नाक, गले में खराश, कफ, खांसी, मांसपेशियों में अत्यधिक दर्द, पेट खराब होना जैसेः उल्टी या दस्त।

अन्य लक्षणों में भूख कम लगना, ठिठुरन, पीला बलगम में खून आना इत्यादि भी हो सकता है।

उपरोक्त से दो या दो से अधिक लक्षण प्रकट होने पर शीघ्र नजदीकी सदर अस्पताल में मरीज की जॉच करानी चाहिए जहॉ इस बीमारी की जॉच की सुविधा उपलब्ध है।

बचाव के उपायः

- खांसते या छींकते वक्त अपने मुंह और नाक रुमाल या कपड़े से अवश्य ढ़के।
- हाथों को साबुन एवं पानी से निरंतर धोएं
- संक्रमित व्यक्ति भीड़-भाड़ वाली जगह से दूर रहें एवं किसी के संपर्क में न आयें।
- पौष्टिक आहार खायें, पानी खूब पीयें एवं पूरी नींद लें।
- सार्वजनिक जगहों पर न थूकें।

ईलाज हेतु आवश्यक सूचनाः

- जांच परीक्षण में इस बीमारी की सम्पुष्टि होने पर अन्य व्यक्तियों को संक्रमित होने से बचाने के लिए मरीज को तुरन्त नजदीक के जिला अस्पताल/मेडिकल कॉलेज अस्पताल अथवा संक्रामक रोग अस्पताल, पटना में भर्त्ती कराएं।
- इस बीमारी के इलाज हेतु **Isolation Ward** की सुविधा सभी जिला अस्पतालों एवं मेडिकल कॉलेज अस्पतालों में भी उपलब्ध है।
- चिकित्सक के परामर्श से इस रोग की चिकित्सा हेतु टेमीफ्लू टैबलेट लिया जाए। व्यस्कों के लिए टेमीफ्लू **75mg** तथा बच्चों के लिए उम्र के अनुसार क्रमशः **20/12mg** की दवा **5** दिनों तक दिन में दो बार लिया जाना है।

आम सूचना

सभी प्रमुख रेलवे स्टेशनों तथा पटना एवं गया हवाई अड्डा पर स्वाईन फ्लू के लक्षणों के परीक्षण एवं जानकारी/सहायता उपलब्ध कराने हेतु 'हेल्थ कैम्प' लगाया गया है। अतः इस बीमारी के लक्षण होने पर इस कैम्प में अवश्य अपनी जांच कराएं।

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि होली के पावन अवसर पर अन्य राज्यों से आने वाले आगन्तुकों में यदि स्वाइन फ्लू के कोई भी लक्षण दिखाई दें तो उसे मास्क लगाएं एवं भीड़-भाड़ वाली जगह से अलग रखकर शीघ्र नजदीक के स्वास्थ्य केन्द्र में परीक्षण कराएं।

यह एक संक्रामक बीमारी है जिसका वायरस वायु के माध्यम से एक से दूसरे में फैलता है। अतः बीमारी की सम्पुष्टि होने पर ईलाज हेतु नजदीकी जिला अस्पताल, मेडिकल कॉलेज अस्पताल या संक्रामक रोग अस्पातल, अंगमकुआँ, पटना में ईलाज करायें। साथ-ही इस विज्ञापन में उल्लेखित बचाव एवं ईलाज के उपायों को भी उपयोग में लायें।

याद रहें, बचाव ही ईलाज का सर्वोत्तम उपाय है

आन्ध्र प्रदेश, चंडीगढ़, छत्तीसगढ़, दिल्ली, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मु एवं कश्मीर, कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मिजोरम, नागालैंड, उड़ीसा, पॉडिचेरी, पंजाब, राजस्थान, तमिलनाडू, तेलंगाना, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, दमन एवं दीव, गोआ आदि राज्यों से आने वाले सभी आगन्तुकों से विशेष अनुरोध है कि यदि उनमें स्वाईन फ्लू से संबंधित यदि कोई लक्षण दिखाई दें तो तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र में अपनी जांच करायें।

जांच में स्वाईन फ्लू के लक्षण पाये जाने पर अपने परिवार के सदस्यों तथा भीड़-भाड़ वाले जगहों से दूर रहें तथा मॉस्क का उपयोग करें एवं जिला अस्पताल में अपनी जांच कराएं।

स्वाईन फ्लू के संक्रमण की पुष्टि होने पर अन्य को संक्रमण से बचाने हेतु मरीज को एकांत में रखें।

स्वाईन फ्लू से ग्रसित व्यक्ति बताये गये बचाव के उपायों एवं ईलाज के तरीकों का पालन करें। जिससे उनके परिवार एवं आम जन के बीच इस संक्रमण को फैलाने से रोका जा सके।